बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

रूपवती रानी एस्तेर

लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Janie Forest
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार : Ruth Klassen

60 कहानियों में से 30 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

बहुत समय पहले एक सुन्दर रानी हुआ करती थी। उसका नाम एस्तेर था। जब उसके माता -पिता का देहांत हो गया; तब उसका चचेरा भाई मोर्दकै उसे अपने घर ले आया। एस्तेर एक अच्छी बेटी की तरह आज्ञां मानकर अपने चचेरे भाई को आदर करती थी।

1

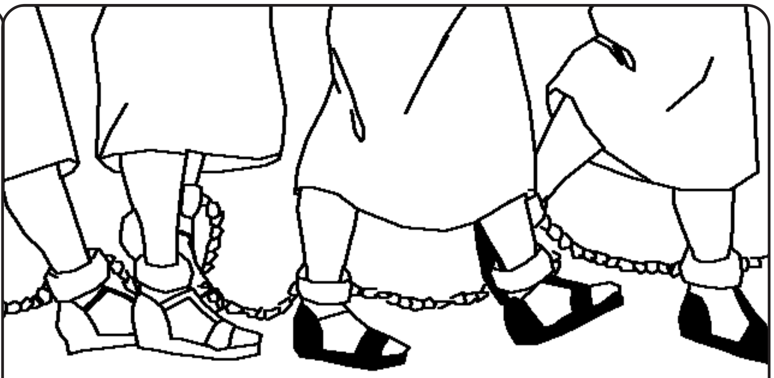

एस्तेर फारस में रहती थी लेकिन वह फारसी नहीं थी। वह यहूदी थी। उसके पूर्वज युद्ध के दौरान कैदी बनाकर यहाँ लाये गए थे। एस्तेर के समय काल में, यहाँ बहुत सारे यहूदी रहा करते थे।

2

फारस के राजा संसार के राजकुमारों के लिए एक भोज का आयोजन किया, सारे लोग खाए। रानी वशती भी स्त्रियो के लिए भोज का आयोजन की थी।
3

पियक्क्ड़ राजा ने, रानी वशती को आदेश दिया की वह राजमुकुट को पहने और अपनी सुन्दरता का प्रदर्शन करे, रानी वशती ऐसा करने से इंकार कर दिया।
4

यह दिखाने के लिए कि स्त्रियां अपने पति का आदर करे, राजा ने एक नियम निकाला, इसी नियम के चलते रानी का राजमुकुट ले लिया गया। अब वह रानी नहीं रही।
5

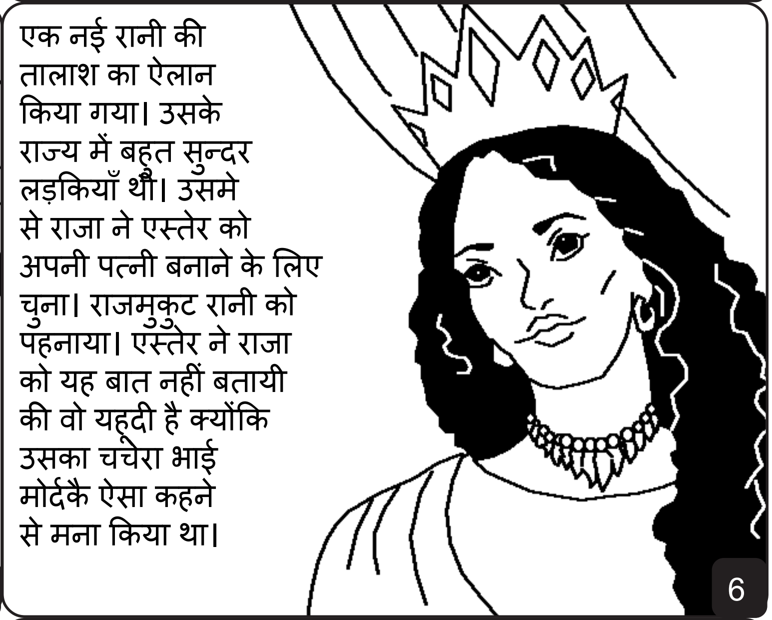

एक नई रानी की तालाश का ऐलान किया गया। उसके राज्य में बहुत सुन्दर लड़कियाँ थीं। उसमे से राजा ने एस्तेर को अपनी पत्नी बनाने के लिए चुना। राजमुकुट रानी को पहनाया। एस्तेर ने राजा को यह बात नहीं बतायी की वो यहूदी है क्योंकि उसका चचेरा भाई मोर्दकै ऐसा कहने से मना किया था।
6

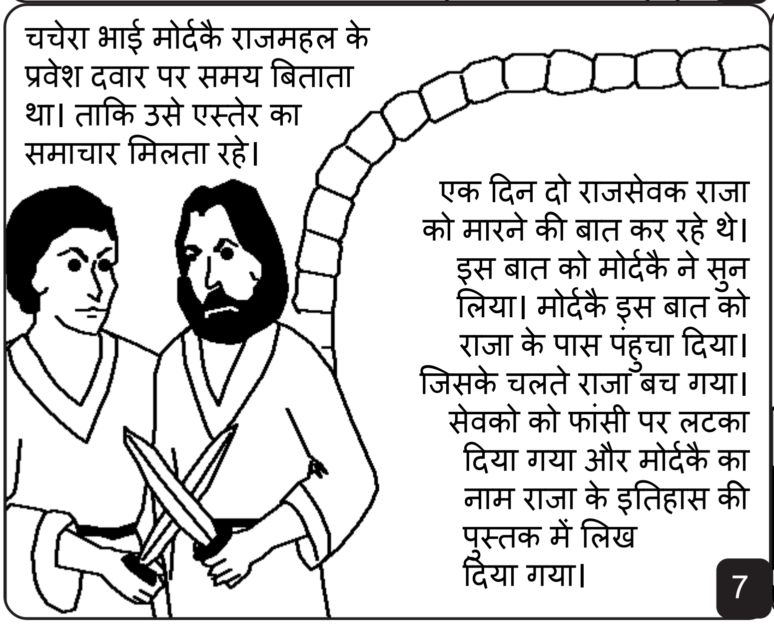

चचेरा भाई मोर्दकै राजमहल के प्रवेश दवार पर समय बिताता था। ताकि उसे एस्तेर का समाचार मिलता रहे।
एक दिन दो राजसेवक राजा को मारने की बात कर रहे थे। इस बात को मोर्दकै ने सुन लिया। मोर्दकै इस बात को राजा के पास पंहुचा दिया। जिसके चलते राजा बच गया। सेवको को फांसी पर लटका दिया गया और मोर्दकै का नाम राजा के इतिहास की पुस्तक में लिख दिया गया।
7

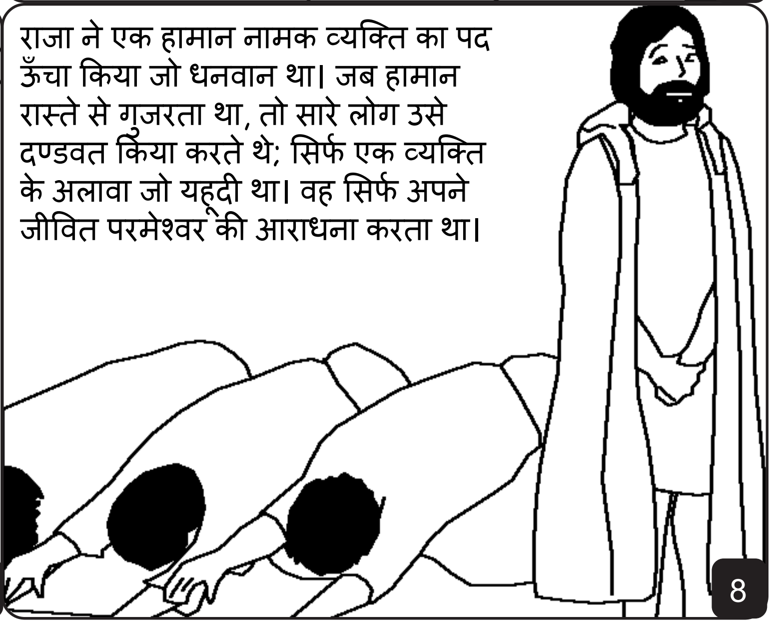

राजा ने एक हामान नामक व्यक्ति का पद ऊँचा किया जो धनवान था। जब हामान रास्ते से गुजरता था, तो सारे लोग उसे दण्डवत किया करते थे; सिर्फ एक व्यक्ति के अलावा जो यहूदी था। वह सिर्फ अपने जीवित परमेश्वर की आराधना करता था।
8

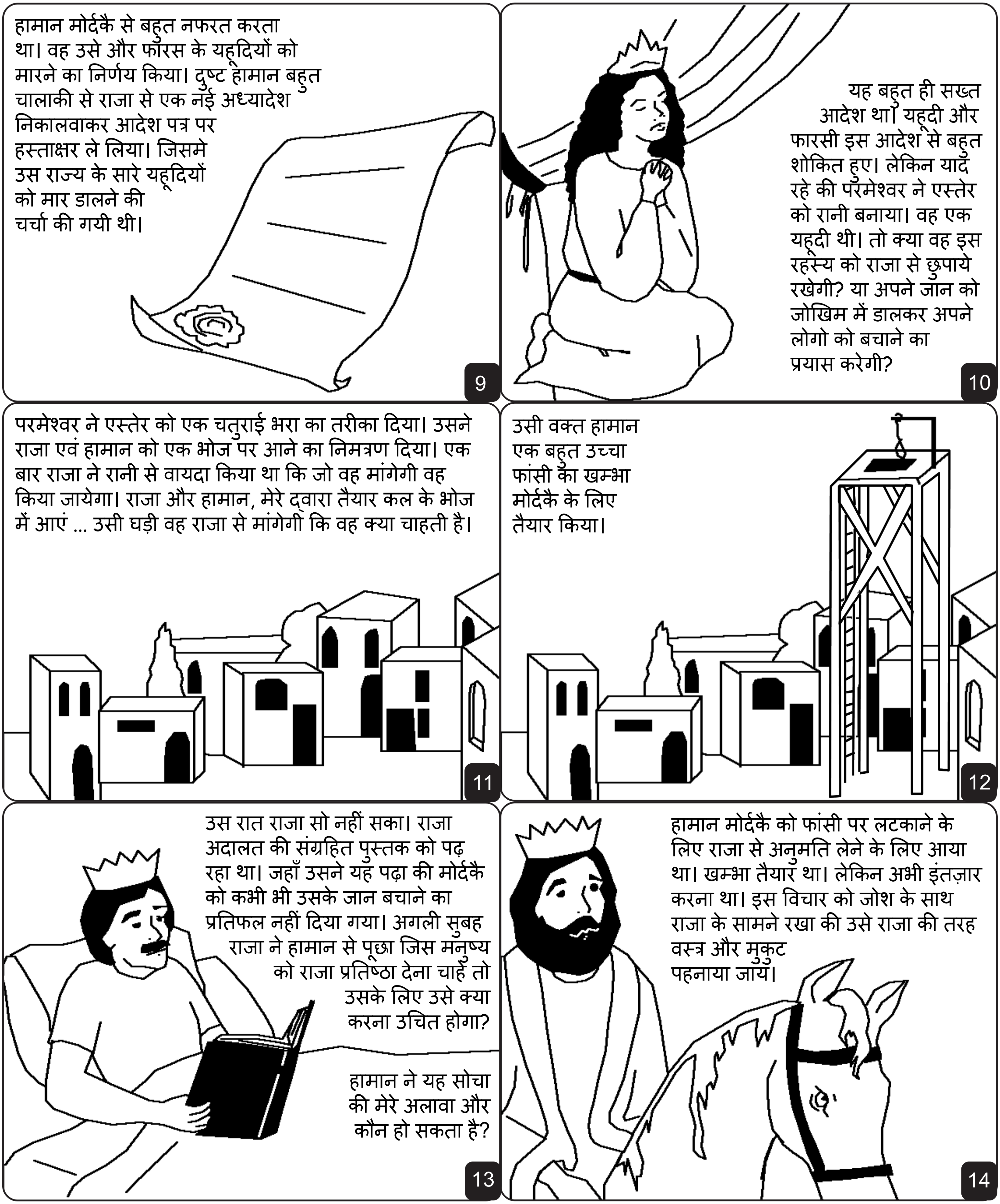
हामान मोर्दकै से बहुत नफरत करता था। वह उसे और फारस के यहूदियों को मारने का निर्णय किया। दुष्ट हामान बहुत चालाकी से राजा से एक नई अध्यादेश निकालवाकर आदेश पत्र पर हस्ताक्षर ले लिया। जिसमे उस राज्य के सारे यहूदियों को मार डालने की चर्चा की गयी थी।
9
यह बहुत ही सख्त आदेश था। यहूदी और फारसी इस आदेश से बहुत शोकित हुए। लेकिन याद रहे की परमेश्वर ने एस्तेर को रानी बनाया। वह एक यहूदी थी। तो क्या वह इस रहस्य को राजा से छुपाये रखेगी? या अपने जान को जोखिम में डालकर अपने लोगो को बचाने का प्रयास करेगी?
10
परमेश्वर ने एस्तेर को एक चतुराई भरा का तरीका दिया। उसने राजा एवं हामान को एक भोज पर आने का निमत्रण दिया। एक बार राजा ने रानी से वायदा किया था कि जो वह मांगेगी वह किया जायेगा। राजा और हामान, मेरे द्वारा तैयार कल के भोज में आएं ... उसी घड़ी वह राजा से मांगेगी कि वह क्या चाहती है।
11
उसी वक्त हामान एक बहुत उच्चा फांसी का खम्भा मोर्दकै के लिए तैयार किया।
12
उस रात राजा सो नहीं सका। राजा अदालत की संग्रहित पुस्तक को पढ़ रहा था। जहाँ उसने यह पढ़ा की मोर्दकै को कभी भी उसके जान बचाने का प्रतिफल नहीं दिया गया। अगली सुबह राजा ने हामान से पूछा जिस मनुष्य को राजा प्रतिष्ठा देना चाहे तो उसके लिए उसे क्या करना उचित होगा?
हामान ने यह सोचा की मेरे अलावा और कौन हो सकता है?
13
हामान मोर्दकै को फांसी पर लटकाने के लिए राजा से अनुमति लेने के लिए आया था। खम्भा तैयार था। लेकिन अभी इंतज़ार करना था। इस विचार को जोश के साथ राजा के सामने रखा की उसे राजा की तरह वस्त्र और मुकुट पहनाया जाय।
14

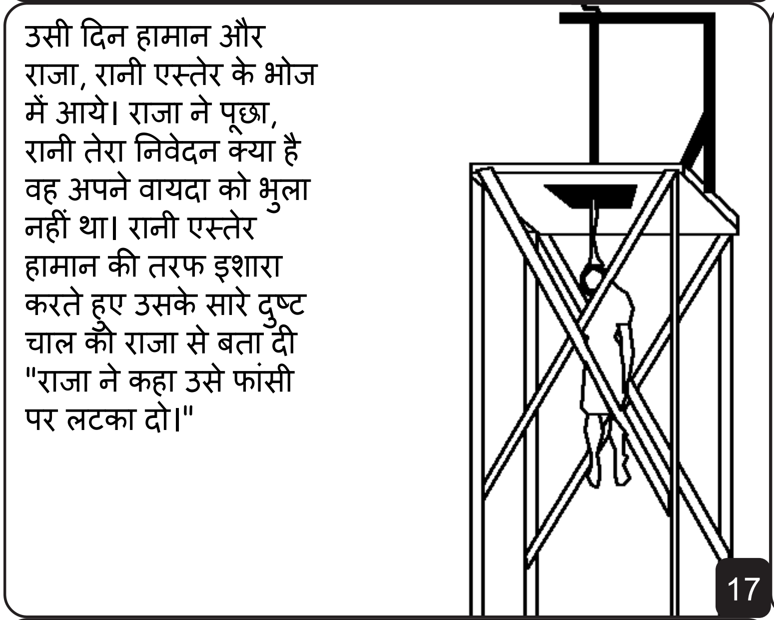

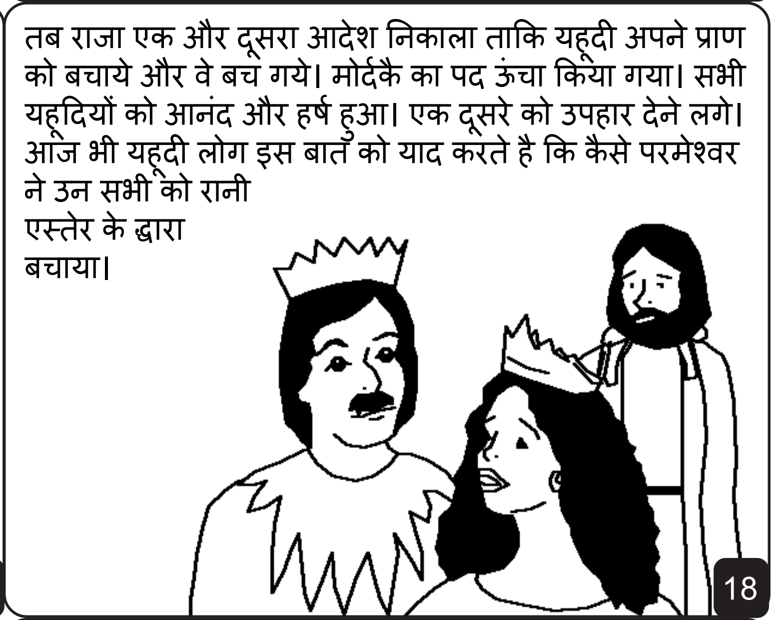

रूपवती रानी एस्तेर

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

एस्तेर

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.